प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एग्रीकल्चर साईंस कांग्रेस की तैयारियों की समीक्षा
चार एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में 20–22 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाली एग्रीकल्चर साईंस कांग्रेस की तैयारियों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन (14 अक्टूबर 2024 को) किया गया। कार्यशाला में निदेशक/कुलपति भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान डा. त्रिवेनी दत्त; निदेशक विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, अल्मोड़ा डा. लक्ष्मीकांत; निदेशक भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून डा. एम. मधु; निदेशक शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल डा. प्रमोद कुमार पाण्डेय; संयुक्त निदेशक भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर डा. यशपाल सिंह मलिक सहित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्य संस्थाओं के निदेशक एवं प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला में कुलपति एवं संयोजक एग्रीकल्चर साईंस कांग्रेस डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा उपस्थित सभी संस्थान प्रमुखों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए उन्होंने संस्थानों से कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सहयोग की अपेक्षा करते हुए कार्यक्रम के कुछ सत्रों को अपनाने हेतु कहा जिस पर संस्थानों द्वारा सहमति प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त कुलपति द्वारा प्रदर्शनी में स्टॉल लगाकर कृषि उपयोगी नवीतनम तकनीकों का प्रदर्शन किए जाने तथा संस्थानों से अधिक से अधिक संख्या में वैज्ञानिकों एवं शोध छात्रों के प्रतिभाग करने हेतु आह्वान किया गया। इस पर सभी संस्थानों द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किए जाने व अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों हेतु अपनी सम्बद्धता प्रकट की गयीं। कुलपति ने सभी संस्थान प्रमुखों को उनके सहयोगात्मक रूख हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सभी के सहयोग से कार्यक्रम अब तक का सबसे सफलतम् कार्यक्रम सिद्ध होगा।

कार्यशाला में निदेशक शोध एवं आयोजक सचिव एग्रीकल्चर साईंस कांग्रेस डा. ए.एस. नैन द्वारा अब तक की तैयारियों तथा कांग्रेस के तीन–दिवसीय कार्यक्रम की रूप–रेखा सभी के सम्मुख प्रस्तुत की गयी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस में लगभग 2000–2500 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया जाना संभावित है। कांग्रेस में देश–विदेश से कृषि क्षेत्र के प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ–साथ नोबल पुरस्कार विजेताओं, प्रगतिशील कृषकों एवं देश के कई प्रमुख सरकारी, गैर–सरकारी संस्थाओं का प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित है। कार्यशाला के दौरान एक प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी जिसमें कृषि के क्षेत्र की उन्नत एवं नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस में स्टार्टअप एवं रोजगार मेले का भी आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

कांग्रेस के वृहद रूप को देखते हुए कार्यक्रम की तैयारियों एवं उसके सफल आयोजन हेतु सभी संस्थाओं से सहयोग की अपेक्षा करते हुए उनके सुझाव चाहे गए, उपस्थित गणमान्य सदस्यों एवं कार्यशाला में ऑनलाईन सम्मिलित विभिन्न संस्थान प्रमुखों द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव एवं विचार व्यक्त किए गए। कार्यशाला में कृषि तकनीकी हस्तांतरण एवं विकास से संबंधित चार एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर किए गए जिसमें एग्रीइनोवेट इंडिया लिमिटेड के साथ उन्नत बीजों एवं तकनीकों का व्यवसायीकरण; पंतनगर केपिटल के साथ स्टॉटअप, इंटरप्रन्योरशिप एवं छात्रों के लिए रोजगार सृजन; बॉयफ के साथ कृषि पशुधन विकास एवं संबंधित क्षेत्रों में विश्वविद्यालय तकनीकों को कृषकों के फील्ड तक पहुंचाने; मंजरी फाउंडेशन के साथ कृषि पशुधन विकास एवं संबंधित क्षेत्रों में विश्वविद्यालय तकनीकों को कृषकों के फील्ड तक पहुंचाना तथा विशेष रूप से महिलाओं के उत्थान हेतु इंटरप्रन्योरशिप एवं रोजगार सृजन; शामिल है।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक शोध डा. पी.के. सिंह एवं संयुक्त निदेशक डा. अनिल कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त निदेशक शोध डा. सुभाष चन्द्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

एमओयू के साथ कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।

निदेशक संचार